वो लड़का कुछ भी ढूंढ सकता था



लेखक : जोआन

चित्र : सिड

एक दिन डेविड तुक्के से कई लोगों की खोई हुई चीज़ें ढूंढ निकलता है. इससे पूरे पड़ोस में डेविड की शोहरत फ़ैल जाती है. लोग सोचते हैं कि डेविड उनकी हर खोई चीज़ ढूंढ निकालेगा. घर लौटने के बाद डेविड माँ को अपने कारनामों के बारे में बताता है. पर अंत बहुत मज़ेदार होता है. इस कहानी को पढ़कर सब लोग खिलखिलाकर हंसेंगे!


वो लड़का कुछ भी
ढूंढ सकता था



डेविड, मिस्टर फ्रेंक्लिन के पेड़ की
निचली टहनी से झूल रहा था.



मिस्टर फ्रेंक्लिन ने अपनी गंजी खोपड़ी को रगड़ा.
"पता नहीं मेरी फूस की टोपी कहाँ गई," उन्होंने कहा.

जब डेविड डाल पर ज़ोर से झूला तब डाल टूट गई.
फिर डेविड, डाल समेत ज़मीन पर आ गिरा.





"हाँ!" मिस्टर फ्रेंक्लिन ने कहा.
"वो पेड़ में जाकर फंस गई होगी.
तुम कितने होशियार हो, डेविड,
तुमने मेरी खोई टोपी ढूंढ निकाली!"

उसके बाद कोई चीज़ डेविड की गोद में आकर गिरी.
"क्या यह आपकी टोपी है, मिस्टर फ्रेंक्लिन?" डेविड ने पूछा.





तभी अपनी साइकिल पर लिंडा वहां से गुज़री.

"आपने कहा कि डेविड खोई चीज़ें ढूंढ़ने में बहुत चतुर है?"

लिंडा ने मिस्टर फ्रेंक्लिन से पूछा.

"हाँ, वो वाकई में स्मार्ट है!" मिस्टर फ्रेंक्लिन ने कहा.

"उसने अभी-अभी मेरी खोई टोपी ढूंढ निकाली."

"तुम मेरे साथ घर चलो,"

लिंडा ने डेविड से आग्रह किया.

"कृपा बिल्ली ढूंढ़ने में मेरी मदद करो."

डेविड, लिंडा के घर गया.
लिंडा का घर मिस्टर फ्रेंक्लिन
के घर से लगा हुआ था.

डेविड, लिंडा के घर में घुसते ही
एक पत्थर पर फिसला
और धम्म से मुंह के बल गिरा.





डेविड ने खड़े होकर लिंडा से कहा.

"अगर तुम दहलीज़ के नीचे देखोगी,

तो तुम्हें तुम्हारी बिल्ली दिखेगी.

साथ में तुम्हें बिल्ली के

कुछ बच्चे भी दिखेंगे."

घास में लेटे हुए डेविड को

दहलीज के नीचे की चीज़ें दिखीं.



फिर लिंडा ने भी नीचे झुककर देखा.
उसने दहलीज़ के नीचे देखा.
उसके बाद वो कूदकर खड़ी हुई.

"मिस्टर फ्रैंक्लिन ने ठीक ही कहा था!" उसने कहा.
"तुम बहुत होशियार हो, डेविड,
तुम किसी भी चीज़ को ढूंढ सकते हो!"



तभी मिसेज़ सांचेज़ ने अपने
किचन की खिड़की में से बाहर झाँककर देखा.

"लिंडा, तुमने कहा कि डेविड कुछ भी ढूंढ सकता है?"
मिसेज़ सांचेज़ ने कहा.
"क्या वो मेरी मिर्चीदानी ढूंढ सकता है?"



डेविड, लिंडा के लॉन से होते हुए
मिसेज़ सांचेज़ के किचन में गया.

मिसेज़ सांचेज़ अल्मारी में कुछ तलाश रही थीं.
"पता नहीं मेरी मिर्चीदानी कहाँ गुम हो गई!"
उन्होंने डेविड से कहा.
"कृपा उसे खोजने में मेरी मदद करो!"



डेविड को मेज़ पर दाल का
एक बड़ा भगोना रखा हुआ दिखा.
वो गर्म और ज़ायकेदार लग रहा था.
दाल में से अच्छी खुशबू आ रही थी.

डेविड ने दाल में अपनी ऊँगली डुबोई.
फिर उसने दाल को चाटा.
मिसेज़ सांचेज़, डेविड को देख रही थीं.






दाल चखने के बाद डेविड ने अपना मुंह बनाया.

उसने अपनी जीभ बाहर निकाली

और उसे ठंडा करने की कोशिश की.

अंत में डेविड ने एक लम्बी साँस भरी और कहा,

"मिसेज़ सांचेज़, मुझे अब कुछ पता है

कि आपकी मिर्चीदानी कहाँ हो सकती है."



"मुझे लगता है कि आपकी मिर्चीदानी
गलती से इस दाल के भगोने में गिर गई है."

मिसेज़ सांचेज़ ने फिर एक लम्बा चमचा
दाल के भगोने में डाला और मिर्चीदानी
को बाहर निकाला.





"लिंडा ने सही कहा था डेविड," उन्होंने कहा.

"तुम वाकई में होशियार हो.

तुम कुछ भी ढूंढ सकते हो!"

फिर मिसेज़ सांचेज़ ने फोन घुमाया.

"मिस्टर एडम्स!" वो फोन पर चिल्लाईं.

"मैं अभी, डेविड को आपके घर भेज रही हूँ.

वो कुछ भी ढूंढ सकता है!

वो ज़रूर आपके खोए दांत ढूंढ निकालेगा!"





फिर लॉन पार करके डेविड
मिस्टर एडम्स के घर पहुंचा.

मिस्टर एडम्स ने बड़ी मुश्किल से डेविड को बताया
कि उनके नकली दांत कहीं खो गए थे.



उसके बाद डेविड एक कुर्सी पर बैठा.

दांत कहाँ खो सकते थे?

वो उसके बारे में गहराई से सोचने लगा.

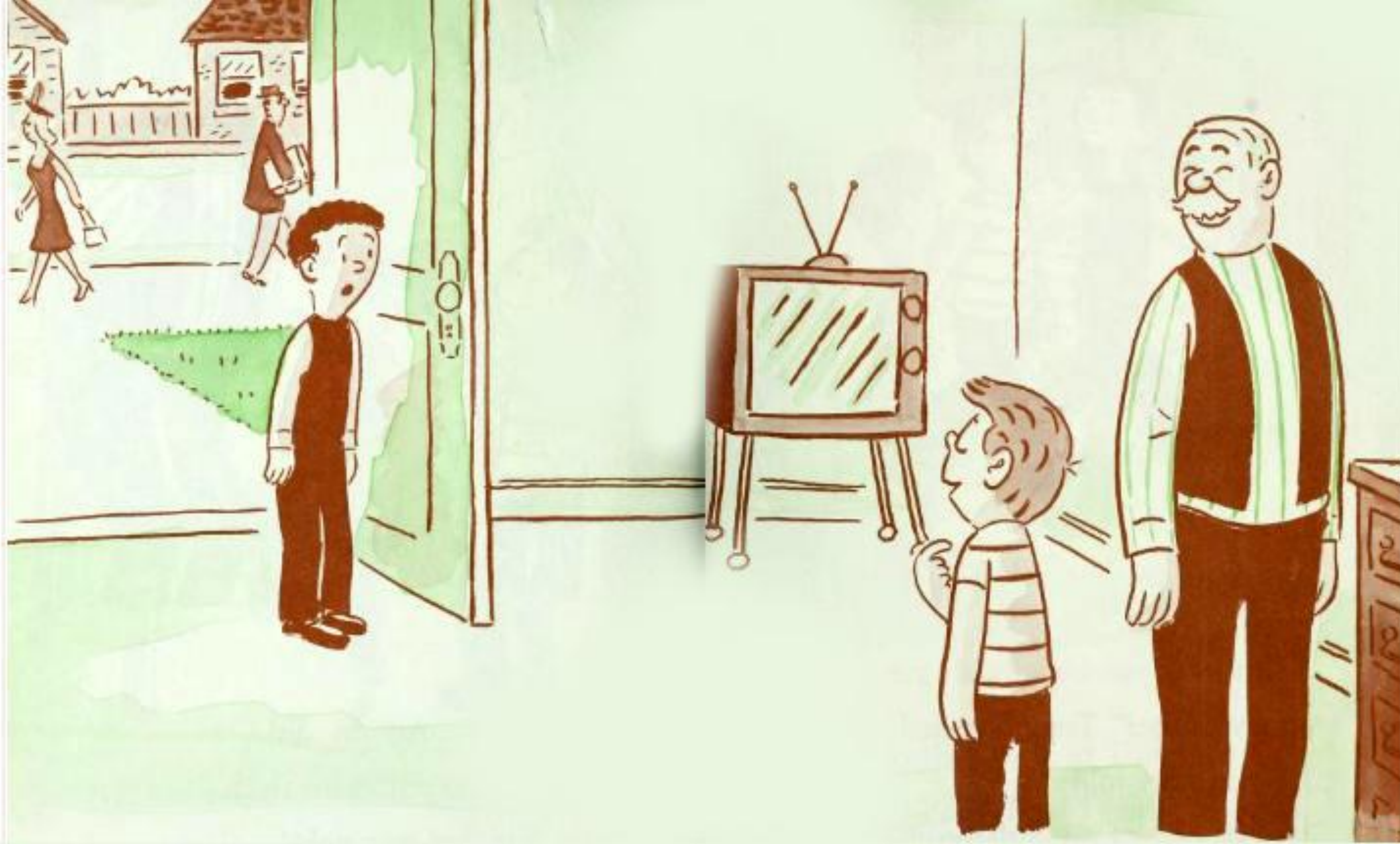
फिर डेविड कूदा और चिल्लाया, "बाप-रे!"





मिस्टर एडम्स के नकली दांत
तो उसी कुर्सी पर रखे थे.

"डेविड!" मिस्टर एडम्स ने
अपने दांत पहनने के बाद कहा,
"मिसेज़ सांचेज़ ने बिल्कुल ठीक कहा था!
तुम वाकई बहुत चतुर हो,
तुम कोई भी खोई चीज़ ढूंढ सकते हो!"



"वो कौन है जो खोई चीज़ें ढूंढ सकता है?"
टॉमी ने दरवाज़े में घुसते ही पूछा.

"मैं खोई चीज़ें ढूंढ सकता हूँ," डेविड ने कहा.



"फिर क्या तुम मेरे साथ घर चलोगे,"
टॉमी ने डेविड से पूछा.
"माँ, ने मुझसे छोटे भाई
की देखभाल करने को कहा था.
पर अब छोटा भाई मुझे कहीं मिल ही नहीं रहा है."

जैसे ही डेविड, टॉमी के घर में घुसा उसने पूछा,
"तुमने अपने भाई को कहाँ-कहाँ ढूंढा है?"



"सब जगह," टॉमी ने जवाब दिया.

"घर के अंदर और बाहर भी."



"मैं सोफे पर बैठकर सोचता हूँ
कि तुम्हारा छोटा भाई आखिर कहाँ हो सकता है,"
डेविड ने कहा.

उसके बाद डेविड सोफे पर ज़ोर से बैठा.
सोफे में से कुछ आवाज़ आई.



डेविड को सोफे के नीचे से कुछ अजीब सी आवाज़ आई.

उसके बाद डेविड खड़ा हुआ और उसने टॉमी से कहा, "अगर तुम सोफे के नीचे देखोगे, तो वहां तुम्हें तुम्हारा छोटा भाई छिपा हुआ नज़र आएगा."



उसके बाद टॉमी सोफे के नीचे गया
और उसने अपने छोटे भाई को
खींचकर बाहर निकाला.



"मिस्टर एडम्स ने सही कहा था, डेविड!" टॉमी ने कहा.
"तुम सच में बहुत काबिल हो,
तुम किसी भी चीज़ को ढूंढ सकते हो!"



तभी टॉमी के पिताजी मिस्टर ग्रीनली
तेज़ी से घर में घुसे.
वो ज़ोर-ज़ोर से अपना ब्रीफकेस
हिला रहे थे.

"क्या मैंने तुम्हें यह कहते हुए सुना कि डेविड
किसी भी खोई हुई चीज़ को ढूंढ सकता है?" उन्होंने कहा.
"क्या वो मेरा भाषण ढूंढ सकता है!
मेरा भाषण मेरे ब्रीफकेस में नहीं है!"

मिस्टर ग्रीनली ने अपने ब्रीफकेस
को इतनी ज़ोर से हिलाया कि
डेविड बुक-शेल्फ से टकरा गया.

टकराने से बुक-शेल्फ हिला
और उसमें से एक किताब नीचे गिरी.



डेविड ने गिरती किताब को पकड़ने की कोशिश की,
पर किताब की जगह उसके हाथ कुछ पन्ने ही लगे.

"वो रहा मेरा भाषण!" मिस्टर ग्रीनली चिल्लाये.
"मैं अपने भाषण को डिक्शनरी में रखकर भूल गया था.
डेविड! टॉमी ने बिल्कुल सही कहा था.
तुम इतने होशियार हो कि कुछ भी ढूंढ सकते हो."



डेविड, टॉमी के घर से बाहर निकला.
उसने मिस्टर ग्रीनली को तेज़ी से
अपनी कार की तरफ जाते हुए देखा.



उसके बाद डेविड दौड़ा-दौड़ा अपने घर लौटा.

"माँ!" वो चिल्लाया.

"मैं तुम्हें कुछ ज़रूरी बात बताना चाहता हूँ!"

"इससे पहले तुम मुझे कुछ बताओ," माँ ने डेविड से कहा,

"मैं चाहती हूँ कि तुम अपने जूते ठीक जगह पर रखो."

"कौन से जूते?" डेविड ने पूछा.

"वही जो तुम्हारी नाक के सामने पड़े हैं," माँ ने कहा.
"वही जूते जो तुमसे खो गए थे."





फिर माँ ने डेविड को एक कागज़ दिया.
"यह रहा तुम्हारा होमवर्क
जो तुम्हें सुबह मिल नहीं रहा था.
वो तुम्हारी मेज़ पर ही पड़ा था."

"और यह रही तुम्हारी फ़ुटबाल
जिसको तुम बेचैनी से तलाश रहे थे.
तुम उसे खाने वाली मेज़ पर रखकर
भूल गए थे."



"अच्छा, अब बताओ," माँ ने पूछा.
"तुम मुझे क्या बताना चाहते थे?"



डेविड ने ख़ुशी-ख़ुशी माँ को बताया,
"मैं आपको बताना चाहता था
कि पड़ोस के सभी लोग सोचते हैं
कि मैं बहुत होशियार हूँ,
और कोई भी खोई चीज़ ढूंढ सकता हूँ!"



उसके बाद माँ देर तक हंसती रहीं.

डेविड को समझ नहीं आया

कि माँ क्यों हंस रही थीं!

समाप्त